अभ्यास

Q. 'सबसे तेज बौछारें गईं, भादों गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, उसका वर्णन कर अपने शब्दों में करें।

उ० ⇒ 'सबसे तेज बौछारें गईं, भादों गया' के बाद कवि ने बताया है कि वर्षा ऋतु के उपरांत शरद ऋतु का आगमन हो गया है। खरगोश की लाल आँखों जैसा सवेरा होने लग गया है। धीरे-धीरे ठंड बढ़ने लगती है। ऐसा लगता है मानो शरद ऋतु अपनी चमचमाती गई साइकिल पर सवार होकर जोर से घंटी बजाकर सभी को हटाते हुए आ गई है। पतंग उड़ाते बच्चों की बालसुलभ कल्पनाएँ भी आसमान छूती जाती हैं।

Q. सोचकर बताएँ कि पतंग के लिए सबसे हल्की और रंगीन चीज, सबसे पतला कागज, सबसे पतली कमानी जैसे विशेषणों का प्रयोग क्यों किया होगा? क्या इसका संबंध हल्के मन से जुड़ता है?

⇒ पतंग के लिए सबसे हल्की और रंगीन चीज, सबसे पतला कागज और सबसे पतली कमानी जैसे विशेषणों का प्रयोग कर कवि ने पतंग का संबंध बच्चे के मन से जोड़ा है। बाल मन में कोमल भावनाएँ पनपती हुई निरंतर विकसित होती रहती हैं, जिस प्रकार निरंतर पेंग भरने पर पतंग आसमान में ऊपर की ओर बढ़ती जाती है, वैसे ही बालसुलभ कल्पनाएँ भी निरंतर विकसित होती रहती हैं। निस्वार्थ व स्वच्छ स्वभाव वाला चंचल मन ही पतंग के समान ऊँची आशाओं व उमंगों की उड़ान भर सकता है।

Scanned with CamScanner

8. बिंब स्पष्ट करें—
सबसे तेज बौछारें गईं भादों गया
सवेरा हुआ

X — X — X
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके।

उ०→ इस पद्यांश में कवि ने 'खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा' तथा 'शरद आया पुलों को पार करते हुए अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए, घंटी बजाते हुए जोर-जोर से' में बहुत ही सुंदर बिंब योजना की है। कवि ने शरद ऋतु के आगमन को खरगोशों की लाल आँखों जैसा कहकर भाव में एक विशिष्टता उत्पन्न कर दी है। शरद ऋतु के आगमन के कारण होने वाले मौसम-परिवर्तन का वर्णन करने के लिए कवि ने ऋतु चक्र को एक पुल के रूप में तथा शरद ऋतु के आगमन को साइकिल सवार के रूप में वर्णित किया है। प्रस्तुत वर्णन अत्यंत मनोहारी, सार्थक और प्रभावशाली है। कवि की बिंब योजना नवीन और अर्थगांभीर्ययुक्त है।

Q. जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास - कपास के बारे में सोचें कि कपास से बच्चों का क्या संबंध बन सकता है?
→ 'जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास' प्रस्तुत पंक्ति में कपास से बच्चों की कोमल कल्पनाओं का गहरा संबंध है। जिस प्रकार ~~अ~~ कपास अत्यंत कोमल और स्वच्छ होती है उसी प्रकार बच्चों की कल्पनाएँ भी अत्यंत नवीन, स्वच्छ और भावुकतापूर्ण होती हैं। वे निरंतर निष्कपट और निस्वार्थ मन से कल्पनाएँ करते हैं।

Scanned with CamScanner

Q. पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं- कवि ने बच्चों के लिए ऐसा क्यों कहा है?

→ पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं- कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि जिस प्रकार उड़ते समय पतंग आसमान की ओर बढ़ती जाती है उसे किसी प्रकार की बाधा का अहसास नहीं होता, उसी प्रकार बच्चे भी आकांक्षाओं की ऊँचाइयों को छूने की ओर अग्रसर होते रहते हैं। उनके आगे वाली सभी मुसीबतें स्वत: ही दूर हो जाती हैं।

Q. भाव स्पष्ट कीजिए -

क) छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए

ख) अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से
और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं।

* दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है?

उ- दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने से तात्पर्य पतंग उड़ाते समय बच्चों के दौड़-दौड़कर शोर मचाने से है।

* जब पंतग सामने हो तो छतों पर दौड़ते हुए क्या आपको छत कठोर लगती है?

→ जब पंतग सामने हों तो छतों पर दौड़ते समय हमें छत कठोर नहीं लगती क्योंकि पंतग उड़ाने का उत्साह हमें छत की कठोरता को महसूस नहीं होने देता।

* खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आप दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हैं?

→ परिस्थितियाँ ही मनुष्य को अनुभवी बनाती हैं। खतरनाक

Scanned with CamScanner

परिस्थितियों को समझ लेने के बाद हम दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को निर्भीक, साहसी, उत्साही और दबंग महसूस करते हैं।

Scanned with CamScanner